मासिक ई-समाचार पत्रिका

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, समस्तीपुर, बिहार - 848125

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के लिए गौरवशाली क्षण

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय (डॉ. रा.प्र.के.कृ.वि.) के लिए यह गर्व की बात है कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 10 सितम्बर 2020 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कृषि व्यवसाय एवं ग्रामीण प्रबंधन महाविद्यालय के भवन का उद्घाटन किया और अंतराष्ट्रीय अतिथि गृह, बॉयज हॉस्टल एवं खेल परिसर की आधारशिला रखी | इस अवसर पर बिहार के महामहिम राज्यपाल श्री फागु चौहान, बिहार के माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार, उप-मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, केंद्रीय राज्य मंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, श्री कैलाश चौधरी जी भी उपस्थित रहे |

इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री जी ने केंद्रीय विश्वविद्यालय में रूपांतरण के बाद विश्विद्यालय की सर्वांगीण प्रगति की सराहना की, जिससे पूरा डॉ. रा.प्र.के.कृ.वि. परिवार अभिभूत है | प्रधानमंत्री जी ने अपने सम्बोधन में कहा की "जय किसान, जय विज्ञान और जय अनुसन्धान जब एक साथ एक मंच पर मिलकर काम करेंगे तभी कृषि क्षेत्र में उन्नत बदलाव संभव हो पायेगा"

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि. में उद्घाटन और शिलान्यास की झलकियाँ

- कृषि व्यवसाय एवं ग्रामीण प्रबंधन महाविद्यालय का नया भवन कुल 11 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है | इस भवन में युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए सभी अत्याधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध करायी गई हैं ताकि युवा सिर्फ रोजगार प्राप्ति योग्य ही नहीं बल्कि रोजगार प्रदाता बने|

- बॉयज हॉस्टल का निर्माण कुल 27 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है, जिससे छात्रों को 400 अतरिक्त नए अत्याधुनिक सुविधायुक्त कमरें उपलब्ध होंगे| यह सुविधा न केवल विश्विद्यालय में छात्रों के आवास क्षमता को बढ़ाएगा बल्कि देश भर से उन्हें विश्वविद्यालय में प्रवेश हेतु प्रेरित भी करेगा |

- विश्वविद्यालय खेल परिसर का निर्माण 25 करोड़ रुपये की लागत से किया जा रहा है जिससे विश्वविद्यालय के छात्रों एवं कर्मचारियों का शारीरिक एवं मानसिक विकास सुनिश्चित होगा | इससे उन्हें व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक जीवन में आने वाले चुनौतियों से निपटने में भी सहायता मिलेगी |

- अंतराष्ट्रीय अतिथि गृह का निर्माण कुल 11 करोड़ की लागत से किया जायेगा जिसमे 20 डबल बेड के आरामदायक और उच्च सुविधायुक्त आवासीय कमरे होंगे | इससे राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय संस्थानों से आनेवाले अतिथियों/शिक्षकों एवं वैज्ञानिको के लिए उच्च सुविधा संपन्न आवास की

खंड -1, संख्या - 4
अक्टूबर, 2020

संरक्षक :
डॉ. रमेश चन्द्र श्रीवास्तव
(कुलपति)

संकलन एवं संपादन :

डॉ. (राकेश मणि शर्मा,
रत्नेश. कु. झा,
प्र. कु. प्रणव,
अंकुर जमवाल,
आशीष कु.पंडा,
गुप्तनाथ त्रिवेदी,
कु. राज्यवर्धन)

प्रकाशन: प्रकाशन प्रभाग

Contact: www.rpcau.ac.in
publicationdivision@rpcau.ac.in

गणमान्य व्यक्तियों की सहभागिता एवं कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण

- माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी ने बिहार राज्य में कृषि शिक्षा एवं अनुसन्धान से जुड़े कई योजनाओं यथा, प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना (PMMSY), ई गोपाला ऐप, मत्सय उत्पादन, डेयरी तथा पशुपालन इत्यादि की शुरआत की|
- माननीय प्रधानमंत्री ने पी.एम.एम.एस.वाई. के तहत सीतामढ़ी में एक फिश ब्रूड बैंक तथा किशनगंज में एक जलीय रोग रेफरल प्रयोगशाला स्थापित करने की घोषणा की | उन्होंने मधेपुरा में फिश फीड मिल और पटना में फिश ऑन व्हील का भी उद्घाटन किया|
- माननीय प्रधानमंत्री जी ने कहा कि इन सभी योजनाओ का उद्देशय गाँवो को सशक्त बनाना और 21वी सदी में भारत को आत्मनिर्भर बनाना है |
- इस अवसर पर माननीय गृह राज्यमंत्री, भारत सरकार,श्री नित्यानंद राय जी, माननीय मंत्री, योजना एवं विकास, बिहार, श्री महेश्वर हजारी जी, बिहार भाजपा अध्यक्ष एवं माननीय सांसद, पश्चिम चम्पारण, डॉ. संजय जायसवाल जी सहित कई अन्य जनप्रतिनिधि डॉ. रा.प्र.के.कृ.वि. परिसर में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे |
- माननीय प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लगभग 1. 2 करोड़ लोगो ने देखा जिसमे 60 लाख लोगों ने लाइव कार्यक्रम से जुड़ने हेतु पंजीकरण कराया था |

कुलपति महोदय का संदेश

सितम्बर हमारे लिए गर्वान्वित महीना रहा जिसमें माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने दिनांक 10 सितम्बर 2020 को विडिओ कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से "कृषि व्यवसाय एवं ग्रामीण प्रबंधन संस्थान" भवन का उद्घाटन एवं अंतर्राष्ट्रीय अतिथि गृह, बॉयज हॉस्टल तथा विश्वविद्यालय खेल परिसर का शिलान्यास किया | यह, डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि. पूसा के शैक्षणिक एवं अनुसन्धान सुविधाओं के विकास एवं सुदृढ़ीकरण की दिशा में उठाया गया एक सराहनीय कदम है |

यह भी बहुत सन्तुष्टि की बात है, कि पारास्नातक के सभी छात्र - छात्राओं ने कोविड 19 महामारी से उत्पन्न अनेकों विवशताओं के बावजूद भी डिजिटल माध्यम से अपना शोध एवं थिसिस कार्य पूर्ण कर लिया है | मैं आगामी 9 वीं अनुसंधान - परिषद (रबी) की बैठक में अनुसंधान - कार्यों की प्रगति को जानने हेतु उत्सुक हूँ | मैं वैज्ञानिकों का ध्यान सब्जी उत्पादकों के तरफ आकर्षित करना चाहता हूँ जिससे उनकी फसलों में लग रहे रोगों , फसल कटाई के उपरांत होने वाले नुकसान एवं मशीनीकरण की कमी जैसे समस्याओं का निदान कर उनकी आय बढ़ाई जा सके |

मैं डॉ. प्रेम प्रकाश श्रीवास्तव, कुलसचिव सहित अन्य शिक्षकों एवं कर्मचारियों का स्वागत करता हूँ जो हाल हीं में विश्वविद्यालय परिवार में शामिल हुए हैं | उम्मीद करता हूँ कि इन सभी के समृद्ध अनुभवों और सेवाओं से विश्वविद्यालय लाभान्वित होगा | अंत में, मैं विश्वविद्यालय से जुड़े सभी लोगों के अच्छे स्वास्थ्य एवं सुरक्षित जीवन की कामना करता हूँ |

कुलपति महोदय की संलग्नता

- दिनांक 01.09.2020 को "कृषि एवं संबंधित विज्ञान में आई. पी. आर." विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।
- दिनांक 01.09.2020 को भा. कृ. अनु. प. -के. म. प्रौ. सं. (ICAR - CIFT) कोचीन द्वारा "मत्स्य पालन में प्रसंस्करण एवं गुणवत्ता आश्वासन" विषय पर ऑनलाइन संचालित इन प्लांट प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।
- दिनांक 03.09.2020 को कृषि क्षेत्र में उद्यमिता के विकास हेतु डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि., पूसा एवं एशिया उद्यमिता (ASEA) के बीच हुए समझौता ज्ञापन समारोह में भाग लिया।
- उच्च कृषि शिक्षा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 के कार्यान्वयन हेतु भा. कृ. अनु. प. नयी दिल्ली, द्वारा गठित राष्ट्रीय समिति के सदस्य के रूप में दिनांक 09-09-2020 को नियुक्त हुए।
- दिनांक 10.09.2020 को रफ़्तार (RAFTAAR) के सुधार के लिए जारी दिशा - निर्देशों में सुझाव हेतु आर. के. वी. वाई. (RKVY) की बैठक में भाग लिया।
- दिनांक 11.09.2020 को शिक्षा में उत्कृष्टता एवं नेतृत्व अध्याय-4 वेबीनार के तहत "गोल्डेन ए.आई.एम. (AIM) कॉन्फ्रेंस एवं अवार्ड्स" में भाग लिया तथा 'मोस्ट डेकोरेटेड वाईस-चांसलर' पुरस्कार से सम्मानित हुए।
- दिनांक 11.09.2020 से 25.09.2020 तक चले हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम के उद्घाटन एवं समापन समारोह की अध्यक्षता की।
- दिनांक 15.09.2020 को कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय, रा. प्र. के. कृ. वि. पूसा द्वारा आयोजित "फार्म मैकेनाइजेशन के ऊपर उद्योग अकादमिक" ई-मीट की अध्यक्षता की।
- विश्वविद्यालय के माननीय विजिटर एवं भारत के राष्ट्रपति महोदय के कॉन्फ्रेंस में दिनांक 19.09.2020 में भाग लिया।
- दिनांक 19.09.2020 को एग्री इनोवेशन फाउंडेशन लखनऊ द्वारा "कृषि में सौर ऊर्जा : रा. प्र. के. कृ. वि. पूसा का अनुभव" विषय पर आयोजित वेबिनार में व्याख्यान दिया।
- विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से "हार्वेस्ट प्लस (PSAC) बैठक (बिहार - उड़ीसा परियोजना की हितधारक सलाहकार समिति) में अथिति के रूप में दिनांक 23.09.2020 को भाग लिया।
- रा. प्र. के. कृ. वि. पूसा एवं आई बी एंड आर ओ (INBAR) के द्वारा दिनांक 24.09.2020 को आयोजित अंतराष्ट्रीय वेबिनार " उद्यमशीलता का विकास एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण हेतु बाँस बायो इंजीनियरिंग" की अध्यक्षता की।
- विडियो - कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दिनांक 26.06.2020 को "कृषि शिक्षा हेतु राष्ट्रीय शिक्षा निति 2020 (NEP 2020) के कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय समिति के उप समूहों की बैठक में भाग लिया।
- भा.कृ.अनु.परि. - केन्द्रीय मात्स्यिकी शिक्षा संस्थान, मुंबई द्वारा आयोजित हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया।
- नीति आयोग के उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में "प्राकृतिक खेती के लिए राष्ट्रीय स्तर के परामर्श" विषय पर दिनांक 29.09.2020 एवं 30.09.2020 को

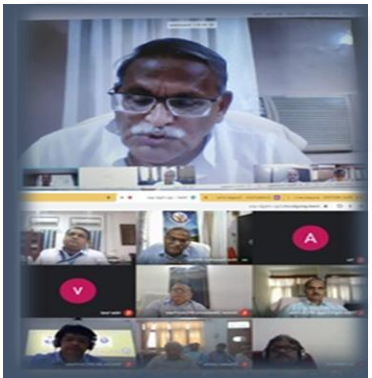

वेबिनार ("उद्यमशीलता का विकास एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण हेतु बाँस बायो इंजीनियरिंग")

शिक्षा एवं शैक्षिक गतिविधियां

- परास्नातक एवं पी. एच. डी. के छात्रों ने अपने शोध कार्यों का शोध निबंध (डेज़र्टेशन) प्लैगरिज्म रिपोर्ट सहित प्रस्तुत/ जमा किए।
- सभी डिग्री कार्यकर्मों की कक्षाओं को ऑनलाइन माध्यमों जैसे गूगल मीट, जूम इत्यादि के द्वारा चलाया गया।
- मत्स्यकी महाविधालय, ढोली के छात्रों के लिए 01-09-2020 से 01-10-2020 तक इन-प्लांट ट्रेनिंग का आयोजन भा.कृ.अनु.परि – केंद्रीय मत्स्य प्रौद्योगिकी संस्थान कोच्ची द्वारा किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय "मत्स्य पालन में प्रसंस्करण एवं गुणवत्ता आश्वासन" था जिसमे छात्रों को पोस्ट-हार्वेस्ट तकनीकों एवं मत्स्य उत्पाद के विभिन्न बिंदुओं पर सारगर्भित ज्ञान दिया गया।

इन-प्लांट ट्रेनिंग का आयोजन भा.कृ.अनु.परि- केंद्रीय मत्स्य प्रौद्योगिकी संस्थान कोच्ची द्वारा

- कृषि अभियांत्रिकी महाविधालय द्वारा "उधोग - अकादमिक ई - मीट फार्म मैकनाइज़ेशन" का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारत रत्न एम. विश्वेश्वरय्या के जन्म जयंती शताब्दी के उपलक्ष में मनाया गया। जिसकी अध्यक्षता माननीय कुलपति डा. रमेश चंद्र श्रीवास्तव जी ने की। इस दिन को भारत में इंजीनियर दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस बैठक में भारत एवं विश्व के विभिन अभियंताओं, नीति निदेशकों एवं उद्यमियों ने भाग लिया तथा भारत के फार्म - मैकनाइज़ेशन विषय पर विस्तृत चर्चा किया।

चर्चा "उद्योग - अकादमिक ई - मीट फार्म मैकनाइज़ेशन".

➢ कृषि अभियांत्रिकी महाविधालय, रा. प्र. के. कृ. वि. पूसा एवं आई बी एंड आर ओ (INBAR) के द्वारा आयोजित अंतराष्ट्रीय वेबिनार "उद्यमशीलता का विकास एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण हेतु बाँस बायो इंजीनियरिंग" की अध्यक्षता माननीय कुलपति ने 24-09-2020 को की। माननीय कुलपति डा. रमेश चंद्र श्रीवास्तव एवं इस कार्यक्रम के संरक्षक ने विशिष्ठ अतिथि डा. अलका भार्गव अतिरिक्त सचिव, राष्ट्रीय बाँस मिशन, भारत सरकार तथा अन्य सभी विशिष्टजनों का स्वागत किया। कुलपति महोदय ने बेविनार के परिचयात्मक सम्बोधन में युवाओं को बाँस एवं उससे बने उत्पादों से जागरूक होने एवं उनके जीवन - यापन में इसके महत्त्व पर प्रकाश डाला।

राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम "एंटी प्लैगरिज्म : टर्निटिन"

➢ विश्वविद्यालय पुस्तकालय ने शिक्षा एवं शोध में शैक्षिक सुचिता एवं सत्यनिष्ठा हेतु शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों के लिए दिनांक 03-09-2020 को एक दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम "एंटी प्लैगरिज्म : टर्निटिन" का आयोजन किया जिसमे विश्वविधालय के समस्त वैज्ञानिकों एवं शिक्षकों ने भाग लिया।

अनुसंधान

रा. प्र. के. कृ. वि. पूसा में स्वर्ण जयंती चारा बाग़ की स्थापना

चारा फसल एवं उसके प्रयोग पर भा. कृ. अनु. परि.- अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना के 50 वर्ष पूरे होने पर 48 प्रकार के सालाना, बहु सालाना चारा फसलों/ पौधों इत्यादि के साथ स्वर्ण जयंती चारा बाग़ का स्थापना किया गया | माननीय कुलपति महोदय ने विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता एवं निदेशकगणो के साथ स्वर्ण जयंती चारा बाग़ का निरिक्षण किया तथा इस दिशा में विश्विद्यालय द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना किया|

मत्यस्की महाविद्यालय ढोली द्वारा *"पुनटीयस गोनीओनटस एवं मस्टासेम्बेलस एकुलिएटस"* में प्रेरित प्रजनन

Fig 2. 30 days old Fry of *Mastacembelus aculeatus*

लार्वा पालन मछली की प्रजाति पुनटीयस गोनीओनटस एवं मस्टासेम्बेलस एकुलिएटस के बड़े पैमाने पर उत्पादन में एक बड़ी समस्या होती है | सीमेंटेड टैंक में इन दोनों प्रजातियों के प्रेरित प्रजनन एवं लार्वा पालन का प्रयास किया गया | जिससे वांछित आकर के फिंगरलिंग्स का उत्पादन किया गया |

Fig 1. Advanced fingerlings of *Puntius gonionotus*

परवल की गुणवत्तायुक्त रोपण सामग्री का उत्पादन

उद्यान विभाग, परास्नातक कृषि महाविद्यालय, रा. प्र. के. कृ. वि. पूसा ने क्षेत्र के सब्जी उत्पादक किसानो की मांग को पूर्ण करने हेतु परवल की गुणवत्तायुक्त रोपण सामग्री के उत्पादन का प्रयास किया है | पिछले साल के फसल से स्टेम कटिंग द्वारा उत्पादित लगभग चार हज़ार परवल के विभिन्न सैंपलिंग को बेचने से विश्विद्यालय को लगभग 90,000 रूपये की आमदनी हुई|

पपीता एवं नींबू से मूल्यसंवर्धित उत्पादों का उत्पादन

उद्यान विभाग, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली द्वारा इस क्षेत्र के प्रमुख फलों यथा पपीता एवं नींबू से मूल्यसंवर्धित उत्पादों के लिए प्रयास किये जा रहें हैं और उच्च गुणवत्तायुक्त उत्पादों जैसे पपीता स्क्वैश, पपीता कैंडी, नींबू स्क्वैश, नींबू कैंडी जैसे उच्च मूल्यसंवर्धित उत्पादों की तकनीकों का मानकीकरण भी किया जा रहा है | इसके प्रारंभिक परिणाम बेहद उत्साह जनक पाए गए हैं|

संकर धान बीज उत्पादन कार्यक्रम का निरीक्षण

दिनांक 29-10-2020 को अधिष्ठाता, तिरहुत कृषि महाविद्यालय, ढोली, सहायक अनुसन्धान निदेशक तथा प्रमुख अन्वेषकों व वैज्ञानिकों ने संकर धान बीज उत्पादन कार्यक्रम के अंतर्गत प्रायोगिक भूखंडो का निरीक्षण किया |

पौध-प्रजनन एवं अनुवांशिकी विभाग में आण्विक लैब-II का उद्घाटन

माननीय कुलपति महोदय द्वारा पौध-प्रजनन एवं अनुवांशिकी विभाग, परास्नातक कृषि महाविद्यालय, रा. प्र. के. कृ. वि. पूसा में आण्विक लैब-II का उद्घाटन किया गया |

भा. कृ. अनु. प.- अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना समूह की बैठक

भा. कृ. अनु. प.- अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना, सब्जी तथा भा. कृ. अनु. प.- अखिल भारतीय समन्वित अनुसन्धान परियोजना, चारा के वैज्ञानिक समूहों द्वारा क्रमशः सब्जी एवं चारा की फसलों पर वार्षिक बैठक संपन्न की गयी |

दिंनाक 01.09.2020 को "कृषि एवं संबंधित विज्ञान में "बौद्धिक सम्पदा अधिकार (आई. पी. आर.)" विषय पर एकदिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

जल प्रबंधन पर उत्कृष्टता केंद्र द्वारा 1 सितम्बर 2020 को NAHEP के अंतर्गत "कृषि एवं संबंधित विज्ञान में "बौद्धिक सम्पदा अधिकार (आई. पी. आर.)" विषय पर आयोजित एकदिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन माननीय कुलपति महोदय द्वारा किया गया | प्रो. एच. बी. सिंह, कृषि विज्ञान संस्थान, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रहे| इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 383 शिक्षकों, वैज्ञानिकों एवं अन्य लोगों ने भाग लिया |

कृषि प्रसार

कृषि विज्ञान केन्द्र में पोषण माह का आयोजन

डा. रा.प्र.के.कृ.वि.वि. के द्वारा भा. कृ. अनु. प., नयी दिल्ली की पहल नारी (एन.ए.आर.आई. - न्यूट्री सेंसिटिव एग्री रिसर्च एंड इनोवेशन) के तहत 1 से 30 सितम्बर तक पोषण माह मनाया गया। इसके अंतर्गत आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और महिला किसानों को जागरूक बनाने तथा उनके क्षमताओं का विकास करने के लिए सभी कृषि विज्ञान केंद्रों में कई प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुपोषण मुक्ति के उपाए, ग्रामीण स्वास्थय में सुधार तथा पोषण उद्यान, न्यूट्री थाली, बायो फोर्टिफाइड सब्जियों के विकास और रखरखाव से सम्बंधित जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में महिला किसानों को पोषण उद्यान की स्थापना के लिए सब्जी बीज किट, सब्जी के पौधें और पपीता के पौधें वितरित किये गए।

आंचलिक अनुसंधान और प्रसार सलाहकार समिति की बैठक (रबी)

आंचलिक -1 के लिए ति.कृ. महाविद्यालय, ढोली द्वारा 19 सितम्बर 2020 को आंचलिक अनुसंधान और प्रसार सलाहकार समिति की बैठक (रबी) आयोजित की गई। इस में ति.कृ. महाविद्यालय के अधिष्ठाता, अनुसंधान निदेशक, बीज एवं प्रक्षेत्र निदेशक, पं. दी. द. उ. महाविद्यालय पीपराकोठी के अधिष्ठाता, सह निदेशक अनुसंधान तथा विश्वविधालय तथा कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों समेत सरकार के प्रतिनिधियों एवं प्रगतिशील किसानो ने भाग लिया।

सब्जी की खेती में कृषि मशीनरी के उपयोग और लाभ पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

विश्वविद्यालय वित्त पोषित परियोजना "डिजाईन एंड डेवलपमेंट ऑफ डबल रो मैन्युअल वेजिटेबल ट्रांस प्लांटर फॉर स्मॉल लैंड होल्ड्स" के अंतर्गत 28 से 30 सितम्बर तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम "सब्जी की खेती में उन्नत कृषि यंत्रो का उपयोग एवं इसके फायदे" का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन फार्म मशीनरी एवं पावर इंजीनियरिंग विभाग, कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय की ओर से किया गया जिसमें मुजफ्फरपुर के विभिन्न प्रखंडों से आये किसानों ने भाग लिया।

कृषि विज्ञान केंद्र समस्तीपुर द्वारा एकीकृत पोषक प्रबंधन कार्यक्रम का आयोजन

कृषि विज्ञान केंद्र. समस्तीपुर की ओर से उर्वरक डीलरों के लिए 15 दिनों का एकीकृत पोषण प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 40 उर्वरक डीलरों ने भाग लिया। आज कृषि में उर्वरकों एवं रसायनों के अंधाधुंध उपयोग के कारण मृदा के स्वास्थय को नुकसान हो रहा है। चूँकि उर्वरक डीलर किसानों से सीधे संवाद करते है इसलिए उनके बीच इस विषय की चर्चा कर जागरूकता लाना महत्वपूर्ण है। चर्चा के दौरान भविष्य के अनुसंधान तथा जाँच के लिए कई मुद्दे सामने आये।

गरीब कल्याण रोजगार अभियान के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारत सरकार द्वारा बिहार सहित छः राज्यों के 116 जिलों में प्रवासी श्रमिकों पर कोविड-19 के प्रभाव के निदान हेतु गरीब कल्याण रोजगार अभियान (जी.के.आर.ए.) शुरू किया गया है। इस सिलसिले में कृषि विज्ञान केंद्र समस्तीपुर की ओर से सब्जी उत्पादन, वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन, बकरी पालन, रेसर्कुलेटरी एक्वाकल्चर सिस्टम (आर.ए.एस.) तथा बच्चों के लिए पोषक खाद्य उत्पाद पर आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में 40 प्रवासी मजदूरों को प्रशिक्षित किया गया।

दूरदर्शन पर फोन इन कार्यक्रम

कृषि विज्ञान केंद्र बिरौली के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं विभागाध्यक्ष ने कृषि दर्शन में लाइव फोन इन कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम का विषय "हरा चारा उत्पादन और पशुधन का टीकाकरण" था जिसका प्रसारण पटना से किया गया।

महात्मा गाँधी की 150वीं जयंती का आयोजन

कृषि विज्ञान केंद्र मुजफ्फरपुर में 27 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2020 तक महात्मा गाँधी की 150वीं जयंती के अवसर पर एक सप्ताह के दौरान विभिन्न समारोहों का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अतिरिक्त वृक्षारोपण के महत्व और प्लास्टिक कचरे का प्रभाव विषय पर स्कूली बच्चों के लिए एक पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

पुरस्कार, खेल एवं अन्य गतिविधियाँ

11 से 25 सितम्बर 2020 के दौरान डा.रा.प्र.के.कृ.वि.वि. में माननीय कुलपति डा. रमेश चंद्र श्रीवास्तव की अध्यक्षता में में हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया गया। इसमें शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्रों ने भाग लिया। इस दौरान हिंदी और गैर हिंदी भाषी छात्रों के लिए निबंध लेखन, वाद-विवाद, वैज्ञानिकों के लिए तकनीकी लेखन, छात्रों के लिए सामान्य ज्ञान, चित्रकारी तथा नोटशीट लेखन जैसी कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

कृषि व्यवसाय एवं ग्रामीण प्रबंधन महाविद्यालय से चार छात्रों की एक टीम जिसमें श्री दशरथी साहू, श्री शुभम सुंदर, श्री शुभम गौत्रे और श्री शिवम् भदौरिया शामिल थे, ने एग्री बी-प्लान प्रतियोगिता "द नेक्स्ट सीड" में भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन 30 सितम्बर 2020 को इंस्टिट्यूट ऑफ एग्री-बिजनेस मैनेजमेंट बीकानेर द्वारा आयोजन किया गया था। प्रतियोगिता में शामिल किये गए कुल 87 बिजनेस प्लान में से छात्रों के सर्वश्रेष्ठ 11 बिजनेस प्लान को सूचीवद्ध किया गया जिसमे कृषि व्यवसाय एवं ग्रामीण प्रबंधन महाविद्यालय, डा. रा.प्र.के.कृ.वि. की टीम भी शामिल थी |